बाइक एवं बुलैरों की टक्कर में दो की मौत, दो घायल

नवभारत न्यूज

पन्ना 07 जून। जिले के बृजपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले उड़की गांव में आज एक हृदयविदारक सड़क हादसा सामने आया है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। आज कल ऑटो में प्रतिबंध के बावजूद सरिया लादकर खुलेआम पूरे जिले में ऑटो चालकों का कहर जारी है। कोई कार्यवाही नही होने से आज दो लोगो की मौत हो गई।

हासिल जानकारी के अनुसार उड़की मोड़ के पास एक तेज रफ्तार बोलेरो कार, जानलेवा सरिया से लदे ऑटो और एक मोटरसाइकिल के बीच हुई भीषण भिड़ंत में बाइक सवार दो लोगों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे में बोलेरो और ऑटो के चालक भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस पूरी घटना की शुरुआत उड़की मोड़ के पास से हुई, जहां नहर की मिट्टी भरकर आ रहा एक ट्रैक्टर अचानक मुख्य सड़क पर आ गया। इसी दौरान मुख्य सड़क पर आ रही तेज रफ्तार बोलेरो कार क्रमांक यूपी 12 एक्यू 7353, लोहे के सरियों से लदे ऑटो क्रमांक एमपी 16 आर 2654 और एक होंडा ग्लैमर मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 35 जेडएफ2192 के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयावह थी कि वाहनों के परखच्चे उड़ गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई। इस दर्दनाक हादसे में मोटरसाइकिल पर सवार दोनों व्यक्तियों को गंभीर चोटें आईं और अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, हादसे की चपेट में आने से बोलेरो चालक और सरिया लोड ऑटो के चालक सोनू खान, जो कि पन्ना के मठ्या तालाब के निवासी हैं, गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की आवाज सुनकर आस-पास के ग्रामीण तुरंत मदद के लिए दौड़े और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही डायल-112 की पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से भारी मशक्कत के बाद घायलों को क्षतिग्रस्त वाहनों से बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल दोनों चालकों को तुरंत एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भिजवाया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। वहीं, पुलिस ने मृतकों के शवों का पंचनामा बनाकर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बृजपुर थाना पुलिस ने इस दुर्घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और ट्रैक्टर चालक की लापरवाही सहित हादसे के अन्य सभी पहलुओं की विस्तृत जांच में जुट गई है।

नाबालिग पर कट्टे से हमला करने वाला बालक पकड़ाया

नवभारत न्यूज

पन्ना 07 जून। दिनांक 06 जून की शाम थाना सिमरिया पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि एक नाबालिग किशोरी सपना रैकवार उम्र 17 पिता स्वर्गीय फग्गू रैकवार निवासी बनौली सिमरिया जिला पन्ना अपने घर की छत पर सो रही थी।

परिजनों ने बताया कि सोते समय वह अचानक उठी और सिर में चोट जैसा महसूस होने पर बताया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे तत्काल दमोह जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जिला अस्पताल में डॉक्टर अभिजीत ने जांच के दौरान बालिका के सिर से एक बंदूक की गोली निकाला था।

सूचना प्राप्त होने पर पुलिस द्वारा तत्काल जांच प्रारंभ की गई। जांच के दौरान ज्ञात हुआ कि घायल किशोरी एवं विधि विरूद्ध बालक जो आरोपी है के बीच पूर्व से प्रेम प्रसंग था। किशोरी द्वारा आरोपी से बातचीत बंद कर देने के कारण आरोपी उससे नाराज था। इसी रंजिश के चलते दिनांक 06 जून को प्रात: लगभग 04 बजे आरोपी किशोरी के घर की छत पर पहुंचा। उस समय किशोरी सो रही थी। आरोपी ने अपने पास रखे अवैध देशी कट्टे से किशोरी के सिर के पीछे गोली मार दी तथा घटना कारित कर मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने की कार्यवाही

प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में थाना प्रभारी सिमरिया निरीक्षक माधवी अग्निहोत्री के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। प्राप्त साक्ष्यों एवं मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी की तलाश कर उसे थाना गेसाबाद क्षेत्र के ग्राम उदयपुर, जिला दमोह से अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी द्वारा अपराध स्वीकार किए जाने पर उसकी निशानदेही से घटना में प्रयुक्त अवैध देशी कट्टा एवं एक कारतूस जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

रंजिश के चलते छोटे भाई ने बड़े भाई पर किया जानलेवा हमला

नवभारत न्यूज

पन्ना 07 जून। पन्ना के कचहरी चौराहा इलाके में एक पारिवारिक रंजिश और घरेलू विवाद के चलते छोटे भाई ने अपने ही सगे बड़े भाई पर लोहे की भारी हथौड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस जानलेवा हमले में बड़े भाई के सिर और पीठ पर गंभीर चोटें आई हैं, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल पन्ना में भर्ती कराया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस हमले में गंभीर रूप से घायल हुए 47 वर्षीय श्याम जडिया पिता दौलत राम जडिया निवासी धाम मोहल्ला पन्ना के रूप में हुई है। श्याम वर्तमान में कचहरी चौराहा स्थित एक चाय की दुकान पर काम करके अपना गुजारा करते हैं। पीड़ित श्याम जडिया कुल तीन भाई हैं, जिनमें नीरज जडिया सबसे बड़े हैं और आरोपी परमलाल जडिया उनका सबसे छोटा भाई है। पीड़ित श्याम जडिया ने पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी रानी जडिया पिछले करीब 5 वर्षों से उनसे अलग रह रही हैं। वर्तमान में वह उनके सबसे छोटे भाई परमलाल जडिया के साथ ही रह रही हैं।

पत्नी ने श्याम जडिया के खिलाफ कोर्ट में भरण-पोषण का केस भी दायर कर रखा है। इसी पारिवारिक रंजिश और अदालती विवाद को लेकर छोटा भाई परमलाल लगातार उनसे रंजिश रख रहा था। घटना के वक्त पीड़ित श्याम जडिया अपने घर के कमरे में अकेले बैठे हुए मोबाइल चला रहे थे। इसी दौरान उनका छोटा भाई परमलाल जडिया अत्यधिक शराब के नशे में धुत होकर उनके कमरे में जबरन दाखिल हो गया। कमरे में घुसते ही परमलाल ने पत्नी रानी के साथ चल रहे पुराने अदालती और पारिवारिक विवाद को लेकर श्याम को बेहद गंदी-गंदी गालियां देना शुरू कर दिया।

जब श्याम ने इसका विरोध किया, तो दोनों के बीच बहस और ज्यादा बढ़ गई। विवाद में आरोपी परमलाल ने अपने हाथ में ली हुई लोहे की हथौड़ी से अचानक श्याम के ऊपर जानलेवा हमला कर श्याम जड़िया को घायल कर दिया। पड़ोसियों ने तत्परता दिखाते हुए बीच-बचाव किया और आरोपी परमलाल को पकड़ा, जिससे श्याम की जान बच सकी। वारदात के फौरन बाद लहूलुहान हालत में पीड़ित ने 112 पर कॉल करके पुलिस की गाड़ी को घटना की सूचना दी। पुलिस ने पीड़ित श्याम जडिया के बयानों और रिपोर्ट के आधार पर आरोपी छोटे भाई परमलाल जडिया के खिलाफभारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत आपराधिक मामला दर्ज कर लिया है।

शराब के नशे में धुत ट्रैक्टर चालक ने खड़ी बस में मारी टक्कर

नवभारत न्यूज

पन्ना 07 जून। स्थानीय द्वारी बस स्टैंड पर उस समय एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब शराब के नशे में धुत एक ट्रैक्टर चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए स्टैंड पर खड़ी एक बस को जोरदार टक्कर मार दी।

गनीमत यह रही कि दुर्घटना के वक्त मौके पर कोई राहगीर या अन्य वाहन मौजूद नहीं था, अन्यथा कई जानें जा सकती थीं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हनुमतपुरा निवासी रानू पटेल पिता राम रतन पटेल शराब के अत्यधिक नशे में धुत होकर तेज रफ्तार में ट्रैक्टर चला रहा था। द्वारी बस स्टैंड के पास पहुंचते ही उसने नियंत्रण खो दिया और वहां शांति से खड़ी नाजिद बस में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। चश्मदीदों के मुताबिक, ट्रैक्टर की रफ्तार इतनी तेज थी और चालक इस कदर नशे में था कि हादसे के बाद वह खुद ड्राइवर सीट से उतर भी नहीं पा रहा था। वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने उसे जबरन सीट से नीचे उतारा।

भगवान शिव और शिवा ने किया सृष्टि की उत्पत्ति : कमलदास

धरमपुर में शिव महापुराण

नवभारत न्यूज

अजयगढ़, 07 जून। पुरुषोत्तम माह के उपलक्ष्य में धरमपुर गांव के समस्त ग्राम वासियों के विशेष सहयोग से धरमपुर के श्री परमहंस महाराज अखाड़ा में चल रही 9 दिवसीय संगीतमय श्री शिवमहापुराण कथा में स्वामी कमलदास जी बापू ने आज तीसरे दिन सृष्टि की उत्पत्ति. ब्रह्मा विष्णु विवाद की कथा सुनाई।

उन्होंने कहा है कि मिथिला में एक बड़े ही धर्मात्मा एवं ज्ञानी राजा थे। राजमहल में भारी ठाट-बाट होते हुए भी वे उसमें लिप्त नहीं थे। उनके पास एक बार एक साधु उनसे मिलने आया राजा ने साधु का हृदय से सम्मान किया और दरबार में आने का कारण पूछा। साधु ने कहा 'राजन् ! सुना है कि इतने बड़े महल में इतने ठाट-बाट के बीच रहते हुए भी आप इनसे अलग रहते हैं। मैंने वर्षों हिमालय में तपस्या की, अनेक तीर्थों की यात्राएँ कीं, फिर भी ऐसा न बन सका। आपने राजमहल में रह कर ही यह बात कैसे साध ली ?'राजा ने उत्तर दिया महात्माजी ! आप असमय में आये हैं। यह मेरा काम का समय है। आपके सवाल का जवाब मैं थोड़ी देर बाद दूँगा। तब तक आप इस दीये को लेकर मेरे महल को पूरा देख आइये। एक बात का ध्यान रखिये, दीया बुझने न पाये, नहीं तो आप रास्ता भूल जायेंगे।'साधु दीया लेकर राजमहल को देखने चल दिया। कई घन्टे बाद वह लौटा तो राजा ने मुस्करा कर पूछा कहिये, स्वामीजी ! मेरा महल कैसा लगा ?'

साधु बोला राजन् ! मैं आपके महल के हर भाग में गया। सब कुछ देखा, फिर भी वह अनदेखा रह गया।'राजा ने पूछा 'क्यों ?'साधु ने कहा 'राजन् ! मेरा सारा ध्यान इस दीये पर लगा रहा कि कहीं यह बुझ न जाय।'राजा ने उत्तर दिया 'महात्माजी ! इतना बड़ा राज चलाते हुए मेरे साथ भी यही बात है। मेरा सारा ध्यान परमात्मा पर लगा रहता है। चलते-फिरते, उठते-बैठते एक ही बात सामने रहती है कि सब कुछ उसी का है और मैं जो कुछ कर रहा हूँ, उसी के लिए कर रहा हूँ।' साधु राजा के चरणों में सिर झुका कर चला गया।

एनएच 39 के काम में लापरवाही सीधे सड़क पर बिछाया जा रहा डामर

सड़क के लिए स्वीकृत हुए 41.39 करोड़

नवभारत न्यूज

पन्ना, 07 जून। राष्ट्रीय राजमार्ग-39 की मरम्मत के लिए लगभग 41.39 करोड़ रुपए की लागत से चल रहे कार्यों की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। सड़क की सतह पर जमा मिट्टी, धूल और कचरा हटाए बिना ही सीधे डामर (बिटुमिनस) लेयर बिछाई जा रही है। इससे सड़क की मजबूती और निर्माण की दीर्घकालिक गुणवत्ता पर गंभीर आशंकाएं पैदा हो गई हैं।

किसी भी सड़क की मरम्मत या रीसरफेसिंग से पहले पुरानी सतह की समुचित सफाई, ढीली सामग्री हटाना, गड्ढों की मरम्मत तथा आवश्यकतानुसार प्राइम कोट या टैक कोट का छिड़काव किया जाना तकनीकी रूप से आवश्यक होता है। इसके बाद ही नई बिटुमिनस परत डाली जाती है, जिससे पुरानी और नई सतह के बीच मजबूत बंधन बन सके। यदि सड़क पर मिट्टी या धूल मौजूद हो तो डामर की परत सही तरीके से चिपक नहीं पाती और कुछ ही समय में उखड़ने, दरारें पड़ने तथा गड्ढे बनने की आशंका बढ़ जाती है। करोड़ों रुपए की लागत से हो रहे इस कार्य में यदि प्रारंभिक तकनीकी मानकों की अनदेखी की गई तो बरसात के मौसम में सड़क की स्थिति फिर से खराब हो सकती है। लोगों ने निर्माण कार्य की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराने और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए विशेषज्ञों की टीम गठित करने की मांग की है।

इन मानकों का पालन करना जरूरी

मानकों के अनुसार सड़क की सतह पूरी तरह साफ, सूखी और धूल-मुक्त होनी चाहिए। साथ ही बिटुमिनस लेयर की मोटाई, तापमान, घनत्व और कॉम्पेक्शन की नियमित जांच भी आवश्यक है। इन मानकों का पालन नहीं होने पर सड़क की आयु कम हो जाती है और सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका बढ़ जाती है। क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से निर्माण कार्य की गुणवत्ता की निगरानी बढ़ाने, निर्धारित तकनीकी मानदंडों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित कराने की मांग की है, इस संबंध में जब संबंधित उप यंत्री एमपी लोनिवि से संपर्क करने का प्रयास किया गया पर उनसे संपर्क नहीं किया।

युवक की प्रताड़ना से बीएससी टॉपर लड़की ने तोड़ा दम

नवभारत न्यूज

पन्ना 07 जून। जिले के अजयगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत लोढ़ा पुरवा गांव में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां बीएससी फाइनल ईयर में टॉप करने वाली 22 वर्षीय मेधावी छात्रा सृष्टि मिश्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

इस घटना के बाद से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है, वहीं परिजनों ने एक युवक पर अपनी बेटी को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने, ब्लैकमेल करने और खुदकुशी के लिए मजबूर करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। इस दुखद घटना ने उस घर की खुशियों को मातम में बदल दिया, जहां महज एक दिन पहले ही बेटी की शानदार सफलता का जश्न मनाया जा रहा था। गुरुवार को जब शासकीय महाविद्यालय अजयगढ़ से बीएससी अंतिम वर्ष की परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ, तो सृष्टि ने कॉलेज में टॉप किया था। पूरे परिवार में खुशी का माहौल था, लेकिन अगले ही दिन शुक्रवार की शाम नियति ने ऐसी करवट बदली कि सब कुछ तबाह हो गया। परिजनों के अनुसार, शुक्रवार शाम करीब 6 बजे परिवार के सभी सदस्य घर की छत पर बैठे हुए थे, तभी अचानक सृष्टि की तबीयत बिगड़ने लगी और उसे उल्टियां होने लगीं। घबराए परिजनों ने जब उससे पूछताछ की, तो उसने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन करने की बात स्वीकार की। आनन-फानन में परिजन उसे इलाज के लिए अजयगढ़ अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत जिला चिकित्सालय पन्ना रेफर कर दिया। पन्ना में भी हालत में सुधार न होने पर डॉक्टरों ने उसे तत्काल रीवा मेडिकल कॉलेज के लिए रवाना किया, लेकिन दुर्भाग्यवश रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। सृष्टि के पिता सुरेश कुमार मिश्रा ने रोते हुए बताया कि भीना निवासी युवक उनकी बेटी को लंबे समय से मानसिक रूप से परेशान कर रहा था। वह युवक पहले उनकी बेटी से बातचीत करने का प्रयास करता था, जिस पर परिजनों ने उसे कड़ी समझाइश भी दी थी। कुछ समय तक तो स्थिति सामान्य रही, लेकिन बाद में युवक फिर से सृष्टि पर बातचीत करने का दबाव बनाने लगा। परिजनों का आरोप है कि बात न मानने पर वह वीडियो वायरल करने और बदनाम करने की धमकी देता था, जिससे तंग आकर सृष्टि लगातार मानसिक तनाव में रहने लगी थी। पिता का कहना है कि इसी मानसिक दबाव और प्रताड़ना के कारण उनकी होनहार बेटी ने यह आत्मघाती कदम उठाया है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और पूरे घटनाक्रम की बारीकी से जांच कर रही है, जिसके बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मसालों में मिलावट, धनिया में गेंहू-भूंसी, तो मिर्च में चूड़ा

पन्ना 07 जून। नगर की मंडियों में मसाला के मिलावट का धंधा जोरों पर चल रहा है, लेकिन खाद्य विभाग को इसकी खबर तक नहीं है जिसके कारण लोगों को बीमारी का सामना करना पड रहा है। अगर बाजार से खुला मसाला खरीद कर खाते हैं, तो आपके लिए बुरी खबर है। हो सकता है, जो मसाला आप खा रहे हों, वो मिलावटी हो। अभी तक छोटे स्तर पर ही मिलावट की शिकायतें आती थी, लेकिन अब यह खेल बडे स्तर पर चलने लगा हैं। सूत्रों की मानें तो ये काम नगर में कई स्थानों पर किया जाता है। मसाले का प्रयोग हर घर में होता है। लोग इसी विश्वास से मसाला खाते हैं। कि ये शुद्ध होगा और इसमें मिलावट नहीं होगी, लेकिन इसमें लोगों के साथ छल होता है। कई तरह की बीमारियों की दवा मानी जाने वाली हल्दी की बात हो या फिर धनिया पाउडर की बात या फिर मिर्च की बात हो सबमें मिलावट होती है।

वोट की राजनीति के चलते वन भूमि का मालिकाना हक पर्यावरण के लिये घातक

नवभारत न्यूज

पन्ना 07 जून। वोट की राजनीति के चलते प्राय: होता आया है कि हरिजन या आदिवासी जो वन भूमि पर काबिज हैं, उनको उसी भूमि के पट्टे के दिये जाते हैं फिर उसी की आड में वनों पर विनाश शुरू हो जाता है कुल मिलाकर किसी भी दृष्टि से वनभूमि का मालिकाना हक किसी भी वर्ग को पर्यावरण की दृष्टि से दिया जाना उचित नहीं है। तमाम राजनैतिक दल इस पक्ष में है कि आदिवासियों को वन भूमि पर मालिकाना हक दिया जाना चाहिए। यह न सिर्फ आदिवासी हितों अपितु मानवता के खिलाफबात होगी। कोई भी स्थापित की हुयी गलत परम्परा, भविष्य के समाज के लिये एक गलत नजर बन सकती है। वन भूमि पर किसी भी समाज का मालिकाना हक भविष्य के खतरे की ओर संकेत करता है। सभी राजनैतिक दलों, बुद्धिजीवियों समाजसेवियों पर्यावरणविदों को खुलेमन से इसकी अच्छाइयों एवं बुराईयों पर विचार करना चाहिए। इस क्षेत्र में दखल रखने वालों का मानना है कि निरंतर कम होती वनभूमि एवं पर्यावरण के लिये यह विधेयक मौत का फरमान बन सकता है। यद्यपि वन भूमि पर मालिकाना, अधिकार की बात करके कांग्रेस ने यह जाहिर करने की कोशिश की थी कि परोपकार है, लेकिन वस्तविक स्थिति कुछ अलग हैं। जनसंख्या दर मे नजर डालें तो अन्य जातियों की भांति आदिवासी समाज की निरंतर जनसंख्या बढ़ने से आबादी के पोषण के लिये कृषि योग्य भूमि की मांग मे काफी वृद्धि हो रही है। परिणाम स्वरूप आदिवासी समाज भूमि उपलब्धता के लिये वनों की ओर बढ रहा है तथा कृषि कार्य के लिये वन भूमि नष्ट की जा रही है। यह शासन की नीतियों के विरूद्ध बाते है। स्थानीय वन विभाग का अमला यदि ऐसे लोगों के विरूद्ध कोई कार्यवाही करता है तो राजनीति की जाती है और स्थानीय नेताओं के हस्तक्षेत्र से कार्यवाही रोकनी पडती हैं। अब तक वन विभाग के अमले की कार्यवाही के खौफके चलते वनभूमि पर कब्जे की प्रक्रिया पर कुछ वंदिश थी। वन भूमि पर मालिकाना हक का संवैधानिक हक मिलने के बाद इसके होड में बदलने की आशंका है। आजादी के पश्चात निरंतर वन भूमि के प्रतिशत मे गिरावट महसूस की गयी। इसके बजाय विकास के नाम पर तमाम जंगल काटे गये।

कृषि भूमि से वृद्धि वन भूमि मे कमी, वृक्षारोपण कार्यक्रम पर पर्याप्त ध्यान न दिये जाने तथा जनसंख्या विस्फोट के परिणाम पर्यावरण पर देखने को मिल रहे हैं। वायुमंडल मे कार्बन डाई ऑक्साइड की मात्रा मे वृद्धि ओजोन छिद्र के आकार मे बढोत्तरी, हिम ग्लैरशियरों का निरंतर सिकुडना ऋतु चक्र मे बदलाव समुद्र के जल स्तर में वृद्धि मानव जीवन के अतिशरिक्त समस्त पृथ्वी के लिये अच्छे संकेत नहीं है। राजनैतिक दल शासन तब करेंगे जब मानव अस्तित्व मे होगा। मानव समाज का अस्तित्व पूर्णत: प्रकृति संतुलन एवं अच्छे पर्यावरण पर निर्भर है। वन भूमि के कम होने तथा जंगलों के नष्ट होने से वातावरण में ऑक्सीजन एवं कार्बन डाईऑक्साइड के अनुपात मे गडबडी की भारी आशंका है। इसका प्रभाव समस्त जीवन जगत का पडेगा। सुनामी, भूकंप भीषण गर्मी सर्दी आकस्मिक भारी वर्षा या सूखा सभी पर्यावरण असंतुलन का दृष्टि परिणाम है।

जंगलों में निरंतर कट रहे पेड़

जंगलों पर दैनिक निस्तार के लिये निर्भर रहने वाले आदिवासी समाज के लिये स्वयं यह दुखद होगा। जंगलों निरंतर कटते जाने और वनभूमि के कम होने से एक समय ऐसा भी आयेगा, जब उन्हें न तो खाना पकाने लिये लकडी मिलेगी और न ही मुर्दा जलाने के लिये यह अतिश्योक्ति नहीं की प्राण दायक वायु के लिये तब लोगों को तरसना पड सकता है। लोगो कहना है कि राजनैतिक दल यदि वास्तव में आदिवासी समाज का शुभ चिंतक है तो उन्हें वन भूमि की बजाय राजस्व जमीन के विकास पर ध्यान देना चाहिए। आदिवासी कृषकों को उनकी वर्तमान उपलब्ध भूमि पर सिंचाई सुविधायें उपलब्ध नहीं करा पा रही हैं तो वन भूमि के पट्टे बांटने से क्या होगा। शासन पहले उपलब्ध भूमि पर ही सिंचाई के बेहतर साधन उपलब्ध कराकर आदिवासी समाज का सम्पन्न बनाये, तब उसे ग्रामीण में वन भूमि पर पट्टे के लिये विधेयक पास करने की मशक्कत नहीं करनी होगी अन्य था सारे प्रयासों के पीछे मानसिकता और योजना पर प्रश्न चिंह लगते रहेंगे।

अपार पर्यटन स्थलों के बावजूद पन्ना पीएमश्री हैलीपेड पर्यटन सेवा से वंचित

पन्ना जिले जैसे ऐतिहासिक एवं धार्मिक पर्यटन स्थल पूरे प्रदेश में नही

नवभारत न्यूज

पन्ना 07 जून। प्रदेश सरकार ने पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से बहुप्रतीक्षित पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा का शुभारंभ किया है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ओंकारेश्वर, ओरछा, चंदेरी, जबलपुर, मैहर, चित्रकूट, कान्हा और बांधवगढ़ जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों को हवाई पर्यटन सेवा से जोड़ा गया है।

इसमें पन्ना की घोर उपेक्षा हुई है, जितने स्थल इस सेवा से जुड़े है उससे कई गुना अधिक पन्ना जिले में महात्वपूर्ण पर्यटन एवं धार्मिक स्थल मौजूद है इसके बावजूद पन्ना को उसका हक नही मिलना कहीं न कहीं जिले के सांसद विधायकों की नाकामी उजागर कर रही है। पन्ना केवल एक जिला नहीं, बल्कि धार्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक धरोहरों का संगम स्थल है। राम वन गमन पथ में शामिल करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र सारंग धाम और अगस्त मुनि आश्रम, दुनिया के सबसे प्राचीनतम मंदिरों में से एक सलेहा का पार्वती मंदिर, ऐतिहासिक चौमुखनाथ मंदिर, बृहस्पति कुंड का ग्लास ब्रिज, जुगल किशोर मंदिर, बलदेव मंदिर, प्रणामी संप्रदाय का देश का इकलौता प्रमुख तीर्थ स्थल, पद्मावतीपुरी धाम, विश्व प्रसिद्ध पन्ना टाइगर रिजर्व, रनेह फाल पांडव फाल, केन नदी की मनोरम घाटियां और हीरा खदानें पन्ना की पहचान हैं।

जिन स्थलों को हेली पर्यटन सेवा में शामिल किया गया है, उनकी तुलना में पन्ना कहीं अधिक विविधता और अंतरराष्ट्रीय स्तर के आकर्षण समेटे हुए है। पन्ना के जंगल यूनेस्को के बायोस्फीयर रिजर्व में शामिल हैं। जनप्रतिनिधि विकास के क्षेत्र में हो रहे असफल - पन्ना जिला प्रदेश एवं देश में पर्यटन एवं ऐतिहासिक धार्मिक क्षेत्र के मामलें में अपना विशेष स्थान रखता है।

लेकिन फिर भी उसका वाजिव हक नही मिल रहा है। जिससे साफ प्रतित होता है कि जिले के जनप्रतिनिधि जिले को उसका हक दिलाने में नाकाम साबित हो रहे है। जिलेवासियों का कहना है कि जनप्रतिनिधि अक्सर विकास के बड़े-बड़े दावे करते हैं, लेकिन जब पन्ना को प्रदेश और देश की महत्वपूर्ण योजनाओं में उचित स्थान दिलाने की बात आती है तो ठोस परिणाम दिखाई नहीं देते। जिले के हितों को लेकर प्रभावी पहल नजर नहीं आती। लोगों का सवाल है कि जब अन्य पर्यटन

अपडेट हो चुकी सकरिया हवाई पट्टी

सकरिया हवाई पट्टी को अपडेट करने का काम भी पूरा हो चुका है। पूर्व इसका लोकार्पण भी कर दिया गया था। इसके बाद भी पन्ना इस सुविधा से दूर रखना लोगों की समझ से परे है।

बाइक का फटा टायर, दो युवक घायल

महिला बाल-बाल बची

नवभारत न्यूज

पन्ना 07 जून। पन्ना जिले के सलेहा मार्ग पर स्थित डिघोरा के पास पुरैना मोड़ पर एक तेज रफ्तार बाइक का टायर अचानक धमाके के साथ फट गया। टायर फटते ही बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर काफी दूर तक घिसटती चली गई।

इस हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जबकि उनके साथ बैठी एक महिला पूरी तरह सुरक्षित है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम रीहोटा के रहने वाले दो युवक, लतीफ और इस्लाम, अपनी बाइक पर एक महिला को साथ लेकर किसी रिश्तेदार को दावत का न्योता देने जा रहे थे। बाइक अपनी सामान्य रफ्तार से आगे बढ़ रही थी कि अचानक पुरैना मोड़ के पास एक जोरदार धमाका हुआ और बाइक का पहिया जवाब दे गया। संतुलन बिगड़ने के कारण बाइक सड़क पर दूर तक रगड़ती चली गई, जिससे दोनों युवक लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने बिना वक्त गंवाए तुरंत मामले की सूचना 108 एम्बुलेंस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची 108 एम्बुलेंस की टीम ने तत्परता दिखाते हुए गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद उन्हें तुरंत गुनौर स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की विशेष देखरेख में उनका इलाज किया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हादसा इतना भयानक था कि युवकों को गंभीर चोटें आई हैं, लेकिन ईश्वर की कृपा रही कि महिला को इस दुर्घटना में खरोंच तक नहीं आई।